कैसी भैया है ये चतुराई
सोच सोच मति भरमाई
अति चतुर तरकीब निकलाई
कैसे कटवाई अपनो पाँव भाई

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

इस दुनिया में ऐसे लोग है जो बडी तरकीब लगाकर भोले भाले लोगों को ठगते है या परेशान करते है। गुनाह खुद करते है पर इल्जाम औरों के माथे चढ़ाते है। फिर सोचते है, हमारे जैसा चतुर कोई नही है।

वो ये नही जानते है कि इन बडी तरकिब का मतलब अपने पाँव पर कुल्हाडी मारना है। वो भगवान तुम्हारी हर तरकिब जानता है। वो तुम्हे छोडेगा नही। इन बडी तरकिबों का बडा दंड देगा। जब असह्य यातनाएँ सहन करनी पडेगी तब सोचोगे ,"मेरे जैसा मुर्ख कोई नही हो सकता। मैने तो अपनेही पाँव पर कुल्हाडी मार ली है।

भक्ति करते समय ये याद रहे कि भगवान को अपने बराबर या अपने से छोटा मानना है। यदि यशोदा मैया श्रीकृष्ण को भगवान मानती तो क्या उनके पीछे दंडा लेकर भागती? उसके लिए तो भगवान बस उसका लाला है। क्या सखा लोग उनको घोडा बनाते? क्या गोपियॉ उनको प्यार भरी गाली देती?

उनके रूप, गुण, लीला, गुण, धाम, संत आदि का चिंतन करना है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

भगवान की एक प्रार्थना है -

जहा जहा मेरा मन जाय
वहा वहा हे कृष्ण, तेरा ही रूप है

जहा जहा मेरा सिर झुके
वहा वहा गुरूजी,आपही के चरण है

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132